राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 08 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-187 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हूती विद्रोहियों का यमन और सऊदी अरब पर तगड़ा हमला

● यमन के 58 सैनिकों की मौत, सऊदी में 11 घायल

रियाद (एजेंसी)। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए। पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हुआ, जिसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हो गए। यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सही समय और सही जगह पर जवाब दिया जाएगा। दूसरा हमला सऊदी के नजरान में हुआ, जिसमें 11

नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी, एक यमनी, दो मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं, एक 4 साल का एक बच्चा भी घायल हुआ है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।
अमेरिका-ईरान के बीच होर्मुज डील जल्द संभव
एक रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता जल्द हो सकता है। ईरान-ओमान के बीच मसौदा अंतिम चरण में है। ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत की पहल की है और दोनों देशों के बीच वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है। उनके मुताबिक, समझौता ईरान के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा।

एक्सीडेंट में युवक की मौत,पटना में बवाल

● 10 गाड़ियां फूंकीं, ट्रैफिक पुलिस चौकी जलाई

पटना (एजेंसी)। पटना में सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के जीरो माइल के पास शुक्रवार सुबह की है, जहां तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने उस बस को आग लगा दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उसे रोक दिया। इसके बाद हालात और बिगड़ते चले गए। मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तनाव और बढ़ गया। गुस्साई भीड़ ने 2 पुलिस गाड़ियों, बसों और बाइक समेत करीब 10

वाहनों में आग लगा दी। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट जला दी। नेशनल हाईवे-30 पर जाम लगा दिया। पत्रकारों से मारपीट की। मौके पर 9 थानों की पुलिस तैनात की गई है। 26 साल का मनीष पटना में फ्लेक्स का काम करता था। वो अपने गांव से रोज पटना आता-जाता था। मनीष तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। वो रोज की तरह आज सुबह 7 बजे भी काम पर निकला था। लोगों के हंगामे के कारण जीरो माइल चौक 3 घंटे करीब जाम रहा। जिसकी वजह से पटना-फतुहा मेन रोड, बख्तियारपुर जाने वाली सड़क और बिहटा जाने वाले रोड पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। एक पुलिस चेक पोस्ट में उपद्रवियों ने आग लगा दी।

उज्जैन के मंदिर में

11 अगस्त को मनेगा स्वतंत्रता दिवस

● पुजारी बोले-तिथि के अनुसार मनाएंगे देश का राष्ट्रीय पर्व

● उज्जैन के ही ज्योतिषाचार्य ने निकाला था आजादी का मुहूर्त

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है, लेकिन उज्जैन के प्राचीन बड़े गणेश मंदिर में इस साल आजादी का पर्व 11 अगस्त को मनाया जाएगा।

दरअसल, मंदिर प्रबंधन का मानना है कि सनातन संस्कृति के सभी पर्वों की तरह स्वतंत्रता दिवस भी तिथि के अनुसार ही मनाया जाना चाहिए। 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हुआ था, उस दिन श्रावण कृष्ण चतुर्दशी थी। वैदिक पंचांग में यह तिथि इस साल 11 अगस्त को पड़ रही है, इसीलिए मंदिर में इसी दिन स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी ज्योतिषाचार्य पं. अक्षत

व्यास ने कहा- दीपावली, रक्षाबंधन, दशहरा और होली जैसे सभी पर्व हर साल पंचांग की तिथि के अनुसार मनाए जाते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस को अंग्रेजी कैलेंडर की तारीख से मनाना उचित नहीं है। इसी विचार के आधार पर बड़े गणेश मंदिर में सालों से स्वतंत्रता दिवस तिथि के अनुसार मनाया जा रहा है। बड़े गणेश मंदिर की इस परंपरा का ऐतिहासिक आधार भी है। पं. व्यास ने कहा- 15 अगस्त 1947 को भारत की स्वतंत्रता का शुभ मुहूर्त हमारे पूर्वज ज्योतिषाचार्य पंडित सूर्यनारायण व्यास ने ही निकाला था। हम उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

तिरंगा यात्रा निकलेगी, शिखर पर फहराया जाएगा ध्वज

मंदिर में 11 अगस्त को धार्मिक और देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुबह तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद भगवान बड़े गणेश को तिरंगा अर्पित किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का पूजन होगा। महाआरती के बाद वंदे मातरम और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति होगी। भारत माता की जय और जय हिंद के उद्घोष के बीच मंदिर के शिखर पर तिरंगा फहराया जाएगा।

कुंडली से तय हुआ था 15 अगस्त का मुहूर्त

पंडित व्यास ने आजाद भारत के लिए पंचांग से मुहूर्त देखे। पं. व्यास के बेटे और दूरदर्शन के पूर्व महानिदेशक डॉ. राजशेखर व्यास के मुताबिक, मोहम्मद अली जिन्ना मुहूर्त जैसी बातें नहीं मानते थे, उन्होंने 14 अगस्त का दिन पाकिस्तान के लिए चुना। जबकि भारत ने बताए मुहूर्त को अनुसार 15 अगस्त को। पं. व्यास ने जिन्ना को चेताया था कि 14 अगस्त के दिन ग्रह स्थितियां ठीक नहीं हैं। अगर 14 अगस्त को पाकिस्तान बना तो संभव है कि वो हमेशा अस्थिर रहेगा।

डीएमके ने बीजेपी के उम्मीदों को दे दिया तगड़ा झटका

उदयनिधि बोले, परिसीमन बिल का समर्थन कभी नहीं करेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। डीएमके ने केंद्र की एनडीए सरकार के उम्मीदों को तगड़ा झटका दिया है। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी परिसीमन बिल का विरोध करेगी। तमिलनाडु में कांग्रेस के गठबंधन बदलने के बाद यह चर्चा थी कि अब डीएमके नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी परिसीमन बिल का समर्थन कर सकती है। उदयनिधि स्टालिन ने स्पष्ट किया है कि डीएमके ने शुरू से ही परिसीमन का विरोध किया है और आगे भी करती रहेगी।

50 हजार करोड़ का

डिफेंस एक्सपोर्ट करेगा भारत

● ब्रह्मोस तो सिर्फ एक झांकी...अभी कई हथियार हैं बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्षों से भारत के रक्षा निर्यात की कहानी का मुख्य आकर्षण ब्रह्मोस रही है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल इस बात का प्रतीक बन गई है कि भारत दुनिया को क्या बनाकर बेच सकता है। लेकिन रक्षा निर्यात के अगले चरण में केवल किसी एक बड़े हथियार का दबदबा नहीं होगा, बल्कि अब नई पीढ़ी के ड्रोन, सटीक मारक क्षमता वाले हथियार, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोनोमस सिस्टम अपनी जगह बना रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत का रक्षा निर्यात 62.66 प्रतिशत की भारी उछाल के साथ 38,424 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले 23,622 करोड़ रुपये था। देश अब 80 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा।

युद्ध के बदलते स्वरूप से हथियारों का बाजार भी बदला

युद्ध का मैदान अब केवल लड़ाकू विमानों, टैंकों और महंगी मिसाइलों तक सीमित नहीं है। हाल के वर्षों में हुए युद्धों ने ड्रोन, लॉयटरिंग म्यूनिशन्स, सटीक मार करने वाले हथियारों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और वायु-रक्षा प्रणालियों को सैन्य रणनीतियों के केंद्र में ला दिया है। दुनिया भर के देश अब ऐसे हथियारों की तलाश कर रहे हैं जो दूर तक मार कर सकें, सटीक हमला कर सकें, स्वतंत्र रूप से काम कर सकें और सबसे महत्वपूर्ण बात, जो पारंपरिक हथियारों की तुलना में सस्ते हों।

स्मार्ट होते हथियार का ब्रेन

इस कहानी का एक और पहलू है जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, वह हथियार के अंदर मौजूद तकनीक है। एक मिसाइल या तोप का गोला सुर्खियां तो बटोर सकता है, लेकिन उसका फ्यूज, गाइडेंस सिस्टम, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स ही यह तय करते हैं कि वह हथियार कितना सटीक और प्रभावी ढंग से काम करेगा। यहीं पर एम्यूनिक सिस्टम्स जैसी कंपनियों को बड़ा अवसर दिखाई देता है। कंपनी की सीईओ प्रियंका सिंघल का तर्क है कि भारत की रक्षा निर्यात कहानी को केवल तैयार हथियारों के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

भारत के रक्षा निर्यात का लक्ष्य

भारत ने 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। रक्षा सचिव ने हाल ही में कहा था कि यह लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है। लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए मिसाइल, रॉकेट, बंदूकें, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उनके कलपुर्जे बनाने वाली भारतीय कंपनियों के एक व्यापक इकोसिस्टम की आवश्यकता होगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, निर्यात में अकेले निजी कंपनियों का हिस्सा 17,353 करोड़ रुपये रहा, जबकि रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 21,071 करोड़ रुपये था। अर्मेनिया ने भारत से पिनाका रॉकेट लॉन्चर और आर्टिलरी सिस्टम खरीदे हैं। फिलीपींस ने ब्रह्मोस सिस्टम खरीदा है। इसके अलावा, भारत आकाश एयर-डिफेंस सिस्टम, डोर्नियर विमान, हेलीकॉप्टर, फास्ट इंटरसेप्टर बोट और टारपीडो का भी निर्यात कर रहा है, जो भारत के बढ़ते रक्षा निर्यात बास्केट की विविधता को दर्शाता है।

संसद में विपक्ष का प्रदर्शन

दोनों सदन स्थगित

● लोकसभा से एमएसएमई संशोधन बिल हुआ पास

● कांग्रेस का सभी सांसदों को सदन में रहने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद परिसर में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) एमएसएमई विधेयक 2026 ध्वनिमत से पास हुआ। दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे लगाए। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शाह सुबह से रात तक संसद में ही रहते हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं।

● **मोदी ने टीएमसी-उद्धव गुट के बागी सांसदों से मुलाकात की**- संसद के मानसून सत्र में जारी हंगामे के बीच पीएम मोदी ने एनडीए के नए लोकसभा सांसदों के साथ शुक्रवार को ब्रेकफास्ट मीटिंग की। यह बैठक पीएम आवास में हुई। इसमें करीब 45 सांसद शामिल हुए। जिनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे। ममता की पार्टी टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। वहीं शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सासंद भी शिंदे गुट के साथ आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए एक परिवार है। हम सहयोगी दलों के साथ हैं। हर व्यक्ति का सम्मान किया जाएगा। मैं एनडीए के हर सांसद के साथ खड़ा हूं।

● 65 साल में पहली बार अप्रवासियों की संख्या हुई कम

ट्रम्प की सख्ती से भारतीय छात्रों का अमेरिका जाना हुआ कम

● पाकिस्तान-बांग्लादेश के छात्रों को ज्यादा वीजा दे रहा यूएसए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में पढ़ाई का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के लिए अब राह पहले जैसी आसान नहीं रही। ट्रम्प सरकार की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के बीच 2025 में भारतीय छात्रों को मिलने वाले स्टूडेंट वीजा में बड़ी गिरावट आई है। इसके उलट पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के छात्रों को पहले के मुकाबले ज्यादा वीजा मिले हैं। सख्ती का असर सिर्फ स्टूडेंट वीजा तक सीमित नहीं है।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 में अमेरिका में अप्रवासियों की संख्या रिकॉर्ड 5.33 करोड़ थी, जो जून तक घटकर 5.19 करोड़ रह गई।

● **भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका पहुंचना मुश्किल हुआ**- सेंटर फॉर इमिग्रेशन स्टडीज के मुताबिक, मई से अगस्त के बीच एडमिशन का पीक सीजन होता है। इसी दौरान 2025 में भारतीय छात्रों को मिलने वाले स्टूडेंट वीजा पिछले साल के मुकाबले 62 फीसदी घट गए। चीनी छात्रों पर भी असर पड़ा और उन्हें 34 फीसदी कम वीजा मिले। हालांकि, तस्वीर सभी देशों के लिए एक जैसी नहीं रही। 2025 की पहली छमाही में बुरा हाल रहा।

एससी-एसटी आरक्षण में लागू नहीं है क्रीमी लेयर

● केंद्र का हलफनामा, सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा अपना मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में नफनामा दाखिल कर कहा कि अनुसूचित जाति ससी) और अनुसूचित नजाति (एसटी) के रक्षण में क्रीमी लेयर का द्धांत लागू नहीं होता। रकार ने उन जनहित चिकाओं का विरोध किया जिनमें एससी-एसटी रक्षण में क्रीमी लेयर लागू रने और सरकारी नौकरियों अधिक न्यायसंगत रक्षण नीति बनाने की मांग की गई है। केंद्र ने कहा कि याचिकाओं में संविधान के तहत किसी मौलिक अधिकार

के उल्लंघन का जिक्र नहीं है। साथ ही,मौजूदा कानून में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि लेयर का नियम एससी-एसटी पर लागू होता है।

● **सिर्फ संसद को एससी-एसटी सूची में बदलाव का अधिकार**- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि एससी और एसटी की सूची में किसी भी तरह का बदलाव केवल संसद ही कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत किसी जाति या जनजाति को सूची में शामिल करने या हटाने का अधिकार सिर्फ संसद के पास है। केंद्र ने यह भी कहा कि याचिका स्थापित कानून की अनदेखी करती है। सरकार ने इंदिरा साहनी (मंडल आयोग) मामले का हवाला देते हुए कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी की पहचान ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर होती है।

● सीबीआई का बड़ा दावा, एनटीए एक्सपर्ट्स पर लगाए गंभीर आरोप

महीनों पहले हुई नीट पेपर लीक की साजिश

● पेपर तैयार करते समय सवाल याद कर लेते थे, छात्रों तक पहुंचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक की साजिश परीक्षा से कई महीने पहले रची गई थी। एनटीए के एक्सपर्ट्स ने पेपर तैयार करने के दौरान ही सवाल याद कर लिए थे। सीबीआई ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल 94 पेज की चार्जशीट में यह दावा किया है। चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई थी। इसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई। इसके मुताबिक, एक्सपर्ट्स एनटीए ऑफिस से होटल लौटकर याद किए गए सवाल पर्चियों पर लिखते थे। इसके बाद इन्हें बिचौलियों और कोचिंग नेटवर्क

के जरिए छात्रों तक पहुंचाया जाता था। सीबीआई ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इनमें एनटीए के तीन एक्सपर्ट्स शामिल हैं। आरोप है कि तीनों ने पेपर तैयार करने और मॉडरेशन के दौरान अपने पद का दुरुपयोग कर पेपर लीक किए। लीक पेपर टेलीग्राम, वॉट्सएप, व अन्य डिजिटल माध्यमों से पहुंचा।

सीबीआई को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चैट रिकॉर्ड मिले

सीबीआई का कहना है कि फोरेंसिक जांच, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, चैट रिकॉर्ड, बरामद दस्तावेज और गवाहों के बयान से पूरे नेटवर्क की पुष्टि हुई। चार्जशीट में मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय लोखंडे, शुभम मधुकर खैरनार और यश यादव को इस नेटवर्क की अहम कड़ी बताया गया है। ये लीक पेपर आगे छात्रों तक पहुंचाते थे। सीबीआई के अनुसार, यह पूरा घटनाक्रम 2025 के आखिर और 2026 की शुरुआत का है। जब नीट के पेपर तैयार किए जा रहे थे। चार्जशीट में कहा गया है कि एक आरोपी ने लीक पेपर के बदले बिचौलिए को अपने 10वीं और 12वीं के सर्टिफिकेट्स और ब्लैंक चेक भी सिक्योरिटी के तौर पर दिया था।

चार्जशीट में कोचिंग संचालक और डॉक्टर भी आरोपी

सीबीआई ने चार्जशीट में डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी, पुणे के तेजस हर्षद कुमार शाह, रेणुकाई करियर सेंटर के मैनेजिंग पार्टनर शिवराज मोटेगांवकर और सिद्धिविनायक हॉस्पिटल के मालिक डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे को भी साजिश का हिस्सा बताया है। जांच के मुताबिक, इन लोगों ने एनटीए के बाहर पूरे नेटवर्क का संचालन किया और लीक पेपर छात्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। सीबीआई के मुताबिक, पेपर लीक का मकसद अवैध कमाई और कुछ कोचिंग संस्थानों के रिजल्ट बेहतर दिखाना था। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की आपराधिक साजिश रची।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

(लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल)

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ़्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबी- संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं ।

दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं।

इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।

हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है।

अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60त्न अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15त्न अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70त्न अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

विश्वसनीय आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं।

आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।2 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है। सभी अनाथ बच्चों में से 1त्न से भी कम बच्चों को गोद लिया जाता है। बाकी लाखों अनाथ, परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी कई प्रमुख योजनाएं चला रही है। इसके तहत बच्चों को हर महीने आर्थिक मदद, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और 18 से 23 वर्ष की आयु होने पर बड़ा वित्तीय फंड दिया जाता है।प्रमुख योजनाएं और सहायतापीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना कोविड-19 या अन्य कारणों से माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए है। इसमें 18 साल की उम्र पर ₹10 लाख का फंड और 23 साल होने पर आर्थिक सहायता मिलती है।आयुष्मान भारत - इन बच्चों को ₹5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया जाता है।मिशन वात्सल्य- बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए है। इसके जरिए पात्र बच्चों को ₹4,000 प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है।शैक्षणिक सहायता- स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई, उच्च शिक्षा के लिए लोन और विशेष छात्रवृत्ति का प्रावधान है। क्या आपके आसपास कोई वंचित अनाथ बच्चा है तो आप उसकी व्यक्तिक तौर पर अथवा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें यह उसके भविष्य के लिए जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

संपादकीय

रिश्तों के जख्म

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धर्ताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये। हम सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को नजरअंदाज करके आगे बढ़ जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि सोनीपत की घटना पूरे समाज का सत्य है। यह महज एक घटना है। लेकिन मौजूदा समय के सत्य से अवगत कराती है कि समाज किस दिशा में जा रहा है। ऐसा नहीं है कि जिन बेटियों ने तमाम संसाधन व घर परिवार के होते हुए भी मां-बाप को वृद्धाश्रम जाने को बाध्य किया, वे अपने जीवन में ऐसी परिस्थितियों से दो-चार नहीं हो सकती। यह घटना सोशल मीडिया में इतनी वायरल हुई कि बेटियां शर्मसार जरूर हुई हैं। एक बेटी को तो समाज में मिट्टी पलीद होने से इतना झटका लगा कि दावा किया जा रहा है कि उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। निश्चित रूप से भारतीय जीवन-दर्शन कर्मफल के सिद्धांत का अनुसरण करता रहा है। अपने कृत्यों का फल हमें अवश्य भोगना पड़ता है। जो हम कर रहे हैं,आने वाली पीढ़ियां हमें वही लौटाएंगी।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता का स्वर्णिम अध्याय का आगाज

(लेखक-विनोद सिंह तकियावाला)

50 लाख घरों तक पहुँची सूर्य की रोशनी, हरित भारत की ओर तेज़ी से बढ़ता राष्ट्र

ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और सामाजिक समृद्धि की आधारशिला होती है।इक्कीसवीं सदी में ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ केवल बिजली उत्पादन या पेट्रोलियम संसाधनों तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता, घरेलू विनिर्माण,ऊर्जा भंडारण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ गया है।भारत ने पिछले कुछ वर्षों में जिस गति से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है,उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश केवल ऊर्जा उपभोक्ता नहीं,बल्कि वैश्विक हरित ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।नई दिल्ली में आयोजित ऊर्जा सम्मेलन में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा साझा किए गए आँकड़े इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक 50 लाख परिवारों को लाभ मिल चुका है। यह उपलब्धि केवल एक सरकारी योजना की सफलता नहीं,बल्कि भारत के ऊर्जा इतिहास में जनभागीदारी पर आधारित एक नई क्रांति का संकेत है।सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि अक्टूबर 2025 तक जहाँ देश में प्रतिदिन लगभग 5,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा रहे थे, वहीं जुलाई 2026 तक यह संख्या बढ़कर 16,000 से अधिक प्रतिदिन पहुँच गई। अर्थात् मात्र कुछ महीनों में स्थापना की गति तीन गुना से अधिक हो गई।यह आँकड़ा बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रही,बल्कि करोड़ों भारतीय परिवारों का जनआंदोलन बन चुकी है।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना नहीं है। यह योजना प्रत्येक परिवार को ऊर्जा उत्पादक बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। घरों की छतों पर स्थापित सौर संयंत्र दिन के समय बिजली उत्पन्न करते हैं। आवश्यकता से अधिक बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है,जिससे उपभोक्ता आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं।इससे बिजली वितरण कंपनियों पर दबाव कम होता है तथा देश में विकेंद्रीकृत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलता है।भारत आज लगभग 300 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के ऐतिहासिक पड़ाव के निकट पहुँच चुका है। सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य केवल जलवायु परिवर्तन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति भर नहीं है, बल्कि ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का भी आधार है।स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की सफलता के पीछे अनेक दूरदर्शी नीतिगत निर्णय हैं। सरकार ने उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन **(PLI)** योजना लागू की है, जिससे घरेलू विनिर्माण को नई गति मिली है। इसके अतिरिक्त ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर कार्यक्रम के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने की क्षमता बढ़ाई जा रही है। नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और घटकों पर कर राहत,बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली **(BESS)** के लिए लिथियम-आयन सेल निर्माण हेतु पूंजीगत वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट तथा **Renewable Energy Equipment Import Monitoring System** जैसी पहलों ने उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान की है।

आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो सौर ऊर्जा विनिर्माण को रणनीतिक क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। सरकार का उद्देश्य केवल सौर पैनल आयात करना नहीं, बल्कि उन्हें देश में ही निर्मित कर वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धी बनाना है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी,रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा भारत वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेगा।केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री श्री एच. डी. कुमारस्वामी ने अपने संबोधन में सही कहा कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से तय नहीं होगी, बल्कि इस बात से तय होगी कि कोई राष्ट्र स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों, बैटरियों और उन्नत प्रौद्योगिकियों का कितना उत्पादन कर सकता है। यही कारण है कि सरकार ऊर्जा विनिर्माण को औद्योगिक विकास के साथ जोड़ रही है।इसी दिशा में 18,100 करोड़ रुपये की एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ष्ष्ट) बैटरी पीएलआई योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य देश में अत्याधुनिक बैटरी निर्माण क्षमता विकसित करना तथा आयात पर निर्भरता कम करना है।ऊर्जा भंडारण की मजबूत व्यवस्था के बिना सौर और पवन ऊर्जा का व्यापक उपयोग संभव नहीं है। इसलिए बैटरी निर्माण भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनने जा रहा है।स्वच्छ ऊर्जा का लाभ केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा दक्ष उद्योगों तथा आधुनिक परिवहन व्यवस्था को भी नई दिशा प्रदान करती है। पीएम ई-ड्राइव योजना इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है, जो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देकर पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रही है।इससे प्रदूषण में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत तथा घरेलू ऑटोमोबाइल उद्योग को नई तकनीकी दिशा मिलेगी।

इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि दिल्ली मेट्रो को मध्य प्रदेश से प्राप्त स्वच्छ ऊर्जा न केवल पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण है,बल्कि राज्यों के बीच ऊर्जा सहयोग की भी मिसाल है। इससे यह स्पष्ट होता है कि ऊर्जा संक्रमण केवल केंद्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राज्यों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है।ऊर्जा सम्मेलन में भूटान और श्रीलंका की भागीदारी ने दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग की नई संभावनाओं को भी रेखांकित किया।भूटान ने वर्ष 2040 तक 25 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है,जिसमें 15 गीगावाट जलविद्युत और 5 गीगावाट सौर ऊर्जा शामिल होगी। भारत और भूटान के बीच पाँच दशकों से अधिक पुराना ऊर्जा सहयोग दोनों देशों के आर्थिक संबंधों की मजबूत आधारशिला रहा है।श्रीलंका ने भी ऊर्जा सुरक्षा,ग्रिड आधुनिकीकरण,स्वच्छ ऊर्जा निवेश तथा क्षेत्रीय सहयोग को भविष्य की आवश्यकता बताया। दक्षिण एशिया के देशों के बीच बिजली व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा निवेश और तकनीकी साझेदारी आने वाले वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र की नई दिशा तय करेंगे।

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरु होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं।

आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

विचार मंथन

जेन- जी और जेन- अल्फा ने बढ़ाई संघ और भाजपा की चिंता

(लेखक- सनत जैन)

देश की राजनीति में पिछले कुछ सप्ताह के घटनाक्रम ने यह संकेत दिया है। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल विपक्ष नहीं, बल्कि देश का युवा वर्ग भी बनता जा रहा है। जेन-जी और जेन-अल्फा ऐसे दौर में खड़े हैं, जहां उनकी प्राथमिकताएं धर्म, जाति और भावनात्मक मुद्दों से अधिक शिक्षा, रोजगार, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और भविष्य की चिंता है। यही कारण है, छात्र आंदोलनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। छात्र आंदोलन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत का स्वयं सामने आना राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण घटना मानी जा रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है, यदि समय रहते युवा वर्ग की नाराजगी दूर नहीं की गई तो आने वाले वर्षों में भारी नुकसान हो सकता है। भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत, धार्मिक ध्रुवीकरण थी, वह अपना प्रभाव खो सकती है। हर घर में पढ़ने वाला छात्र है, हर परिवार में रोजगार की चिंता है। प्रत्येक परिवार को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। यही चिंता अब सड़कों पर दिखाई देने लगी है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहे जाने की कथित टिप्पणी के बाद जो विवाद खड़ा हुआ है, उसने छात्र असंतोष को अधिक उग्र बना दिया है। अभिजीत दीपके द्वारा गठित कॉकरोच जनता पार्टी और उसके आंदोलनों ने राजनीतिक परिस्थितियों को नई दिशा दे दी है। माना जा रहा है, प्रारंभ में इस आंदोलन को नियंत्रित दायरे में रखने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी, वह पूरी तरह से विफल हो गई है। घटनाक्रम पूरी तरह से जो सोचा गया था, वह उलटा पड़ गया है। पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, भ्रष्टाचार और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन 20 जुलाई के संसद चलो अभियान के बाद राष्ट्रीय मुद्दा बन गया। प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस, पेलट गन और पुलिस की कथित बर्बरतापूर्ण कार्रवाई ने आंदोलन को पेपर लीक मुद्दे और शिक्षा के मुद्दे तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे केंद्र सरकार के खिलाफ व्यापक असंतोष में बदल दिया है। देशभर में लगभग 200 स्थानों पर हुए प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया है। युवा अब केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है। संगठित होकर वह अपनी बात मनवाने के लिए सड़कों पर आने की क्षमता भी रखता है। इस दौरान भाजपा और संघ से जुड़े कई नेताओं के बयानों ने आंदोलन की आग में घी डालने का काम किया है। आंदोलन की आग को और भड़का दिया है। आंदोलनकारियों को राष्ट्रविरोधी, गैर-जिम्मेदार अथवा अन्य आपत्तिजनक विशेषणों से सत्ता पक्ष के द्वारा संबोधित करने के प्रयासों ने युवाओं की नाराजगी कम करने के बजाय उसे और बढ़ा दिया है। यही वह मोड़ था, जहां संघ को चिंता हुई और उसे अपनी रणनीति बदलने की आवश्यकता महसूस हुई। मुंबई में संघ प्रमुख मोहन भागवत का संविधान, बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, आरक्षण तथा युवाओं के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक प्रश्नों पर खुलकर बोलना, केवल वैचारिक वक्तव्य नहीं है। संघ और उसके अनुवांशिक संगठनों की एक मजबूरी भी बन गई है। मोहन भागवत का यह कार्यक्रम एक राजनीतिक संदेश माना जा रहा है। उन्होंने युवाओं की जिज्ञासाओं और प्रश्नों को लोकतांत्रिक संवाद का हिस्सा बताया। यह बदलाव इस बात का संकेत है, संघ और भाजपा अब टकराव की बजाय संवाद की रणनीति अपनाने की कोशिश कर रहा है। इसमें संघ कितना सफल होगा कहना मुश्किल है। संघ के संगठन में गोपनीयता और विचारों की अभिव्यक्ति की सीमित छूट होती है। वर्तमान युवा असीमित ज्ञान और असीमित इच्छाओं के साथ सड़कों पर उतरा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है, राहुल गांधी लगातार पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा जैसे मुद्दों को उठाकर युवा वर्ग में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। युवाओं का यह वर्ग धार्मिक ध्रुवीकरण से हटकर रोजगार, शिक्षा और आर्थिक अवसरों को लेकर राहुल गांधी से प्रभावित हो रहा है। इसका असर आगामी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में मतदान का आधार बनाता है, तो भारतीय राजनीति का पूरा विमर्श ही बदल सकता है। इस समय संघ और भाजपा दोहरे संकट से गुजर रही है। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा और चंदा चोरी का मामला भी सुर्खियों में है। जिसने धार्मिक ध्रुवीकरण को प्रभावित किया है। युवा सपनों के भरोसे नहीं, परिणामों के आधार पर निर्णय लेते हैं। महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा आज उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। केवल बड़े वादों, भावनात्मक नारों और वैचारिक आधार पर अब युवा वर्ग मानने वाला नहीं। सरकारों और संवैधानिक संस्थाओं को पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, रोजगार सृजन, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, महंगाई और भ्रष्टाचार इत्यादि में ठोस पारदर्शी सक्षम परिणाम देने होंगे। इतिहास गवाह है, जब युवा संगठित होकर अपने भविष्य के प्रश्नों के साथ खड़ा होता है, तो राजनीति की दिशा बदल जाती है। जेन-जी और जेन-अल्फा को केवल चुनावी गणित से नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की निर्णायक शक्ति के रूप में देखना होगा। आने वाले समय में यह तय होगा, सत्ता उनकी आकांक्षाओं को वास्तविक नीतियों में बदलती है, या सपना ही दिखाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक तनाव के बीच भी सोना 497 रुपए चढ़ा, चांदी भी 2,157 रुपए उछली

सोना 1,49,457 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,28,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और चीन के संस्थागत निवेशकों की बढ़ती खरीददारी से सुरक्षित निवेश के रूप में सोना और चांदी आकर्षक बने हुए हैं। शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में शुक्रवार को इन धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने-चांदी के भाव में शानदार तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का अक्टूबर वायदा भाव 599 रुपये की मजबूती के साथ 1,49,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में यह 1,49,554 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी का सितंबर वायदा 2,164 रुपये की जोरदार तेजी के साथ 2,28,000 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था, जिसने 2,28,095 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ। यह उछाल वैश्विक रुझानों और घरेलू मांग दोनों का परिणाम है, जिससे दोनों धातुएं इस साल अपने रिकॉर्ड उच्चतम स्तर के करीब पहुंच रही हैं। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना शुक्रवार को 4,320 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जिसमें 19 डॉलर से अधिक की तेजी देखी गई। वहीं चांदी भी 0.86 डॉलर की तेजी के साथ 62.50 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई थी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक स्थिरता की तलाश में निवेशक लगातार सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा इन कीमती धातुओं को मिल रहा है। चीन के संस्थागत निवेशकों द्वारा गोल्ड-समर्थित परिसंपत्तियों में बढ़ती दिलचस्पी और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की निरंतर खरीदारी भी सोने-चांदी की कीमतों को मजबूती प्रदान कर रही है।

आरबीआई का निर्देश- कर्ज वसूली के नाम पर ग्राहक के गैजेट्स बंद नहीं कर सकेंगे बैंक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्ज वसूली से जुड़े एक महत्वपूर्ण निर्देश में बैंकों को ग्राहकों के मोबाइल फोन, टैबलेट या लैपटॉप को निष्क्रिय करने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 1 जनवरी 2027 से लागू होगा और इसका उद्देश्य कर्जदारों को उत्पीड़न से बचाना है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत, वाहन या आवास ऋण जैसे कर्ज न लौटाने पर बैंक अब ग्राहकों के इन उपकरणों को बंद या उनकी कार्यक्षमता सीमित नहीं कर पाएंगे। हालांकि, यदि किसी बैंक ने विशेष रूप से किसी उपकरण की खरीद के लिए ही कर्ज दिया है, तो वह चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई कर सकता है, लेकिन इसमें भी आपातकालीन सुविधाएं जैसे इनकमिंग कॉल, एसएमएस और एसओएस सेवाएं किसी भी स्थिति में बंद नहीं की जा सकेंगी। आरबीआई ने यह कदम कर्ज वसूली और रिकवरी एजेंसियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों के उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार की बढ़ती शिकायतों के बाद उठाया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 455 अंक, निफ्टी 65 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर टूटे। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.59 अंक टूटकर 78,499.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 65.35 अंक फिसलकर 24,570.65 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स के केवल 14 शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। बचे हुए 16 शेयर गिरावट पर बंद हुए। निफ्टी 50 की भी 50 में से 24 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ लाभ पर बंद हुए और शेष सभी 26 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये।आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा समूह की आईटी कंपन टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.53 प्रतिशत की बढ़त रही। वहीं बजाज फाइनेंस के शेयरों में आज सबसे अधिक गिरावट रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा,

एसबीआई सहित कई कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अलावा, भारतीय स्टेट बैंक , टेक महिंद्रा, बीईएल, इन्फोसिस और एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी के शेयरों में बढ़त रही। दूसरी ओर सप्ताह के अंतिम दिन बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील , एचडीएफसी बैंक, अडाणी पोर्ट्सके शेयरों में गिरावट रही।

फाइब की प्रबंधित परिसंपत्तियां 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ पहुंचीं

व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण से मिली बढ़त

नई दिल्ली ।

डिजिटल ऋण मंच फाइब, जिसने अपने आईपीओ के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं, ने अपनी प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) में मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है। कंपनी के डीआरएचपी के अनुसार मार्च 2026 तक इसकी एयूएम 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण कारोबार का प्रमुख योगदान होगा। दस्तावेजों से पता चलता है कि फाइब की एयूएम में पिछले तीन वर्षों से लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

मार्च 2024 में 4,064 करोड़ रुपये से बढ़कर यह मार्च 2025 में 5,268 करोड़ रुपये हो गई और मार्च 2026 तक 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। कुल प्रबंधित परिसंपत्तियों में व्यक्तिगत ऋण की हिस्सेदारी 6,657 करोड़ रुपये (77 प्रतिशत) रही, जबकि उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण का आकार 1,946 करोड़ रुपये था। फाइब का उद्देश्य आधारित वित्तपोषण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बीमा, यात्रा, ई-कॉमर्स और छत पर सौर ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैला है। कंपनी ने जून में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे।

अकासा एयर ने लॉन्च किया एलीवेट लॉयल्टी कार्यक्रम

एयरलाइन ने यात्रियों की निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली ।

अपनी सफल उड़ान के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को अपना नया लॉयल्टी कार्यक्रम 'अकासा एलीवेट' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव, व्यक्तिगत पहचान और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना है, साथ ही उनकी निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त करना है। एयरलाइन ने 7 अगस्त, 2022 को उड़ान परिचालन शुरू किया था। कंपनी के एक अे धिकारी ने अब तक के सफर को बेहद रोमांचक बताया। 'अकासा एलीवेट' कार्यक्रम के तहत, सदस्य पात्र उड़ानों के साथ-साथ सहायक उत्पादों और सेवाओं पर भी अंक अर्जित कर सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इसे ग्राहकों को अधिक मूल्य और बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी अे धिकारी ने अकासा एयर को 'अनुभव आधारित विमानन सेवा' करार देते हुए कहा, हमने अपने ग्राहकों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में काफी मेहनत की है। ऐसे में ग्राहक लॉयल्टी कार्यक्रम की शुरुआत उनके प्रति आभार व्यक्त करने का स्वाभाविक विस्तार है। उन्होंने आगे कहा कि तीसरे वर्ष में प्रवेश के साथ उनका ध्यान अनुशासित वृद्धि, परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहकों को विशिष्ट अनुभव उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहेगा।

त्योहारी सीजन में महंगा होगा घर-गाड़ी खरीदना

तांबा, एल्युमीनियम जैसी प्रमुख धातुओं के दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारी सीजन में घर और वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है।

वैश्विक बाजारों में औद्योगिक धातुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के चलते टीवी, फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन और नई गाड़ियों के दाम बढ़ने वाले हैं। वैश्विक बाजारों में मची उथल-पुथल और आपूर्ति संकट के कारण तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और निकल जैसी औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़े हैं, जिसका सीधा असर उपभोक्ता उत्पादों पर पड़ेगा। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे का औसत भाव 1.8 फीसदी उछलकर 14,369.50 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो जनवरी के बाद सबसे अधिक है। भारत में भी तांबे के दाम 2.56 फीसदी बढ़कर 1304.90 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जबकि एक महीने पहले यह 1187.85 रुपये प्रति किलोग्राम था। एल्युमीनियम में भी पांच फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। इस वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। कांगो द्वारा कॉपर और कोबाल्ट कंसंट्रेट के निर्यात पर प्रतिबंध, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में बाधा, और साल की शुरुआत से जिंक के वेयरहाउस स्टॉक में 75 फीसदी की भारी गिरावट ने कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, एआई डेटा सेंटरों और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण अमेरिका और चीन द्वारा तांबे की अंधाधुंध खरीदारी और जमाखोरी भी प्रमुख वजहों में से एक है। घरेलू उपकरणों और वाहनों के निर्माण में तांबा, स्टील और एल्युमीनियम जैसे धातु मुख्य कच्चे माल होते हैं। इन धातुओं की बढ़ती कीमतें सीधे विनिर्माण लागत को बढ़ाती हैं, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों को वहन करना पड़ेगा।

युवाओं की मानसिक सेहत बिगाड़ने पर मेटा पर लगा 5,000 करोड़ का जुर्माना

न्यू मैक्सिको कोर्ट का कड़ा फैसला; कंपनी को बच्चों के यौन शोषण की जानकारी छिपाने का भी दोषी पाया गया

सैन फ्रांसिस्को ।

सोशल मीडिया दिग्गज मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) को न्यू मैक्सिको की एक अदालत ने युवाओं की मानसिक सेहत को पहुंचाए गए नुकसान के लिए 567 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपए) का भुगतान करने का कड़ा आदेश दिया है। यह फैसला उस बहुचर्चित मुकदमे का हिस्सा है जिसमें मेटा को मार्च में करारी हार का सामना करना पड़ा था। न्यायाधीश ब्रायन बीडशाइड ने अपने फैसले में कहा कि इस राशि का बड़ा हिस्सा, यानी 42 करोड़ डॉलर, युवाओं के उपचार से जुड़ी सेवाओं पर खर्च किया जाएगा। शेष राशि अगले पांच वर्षों के दौरान जागरूकता, रोकथाम, जांच सेवाओं और अन्य संबंधित खर्चों पर लगाई जाएगी। अदालत ने मार्च में मुकदमे के पहले चरण में मेटा पर 37.5 करोड़ डॉलर का दीवानी जुर्माना भी लगाया था। उस समय, अदालत ने माना था कि कंपनी ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया और अपने मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से संबंधित उपलब्ध जानकारी को छिपाया। हालांकि अभियोजकों द्वारा अनुरोध किए जाने के बावजूद, अदालत ने मेटा के कामकाज में बुनियादी बदलावों जैसे लत लगाने वाले फीचर पर अंकुश लगाने या उम्र के सत्यापन की व्यवस्था में सुधार का आदेश देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि बाल ऑनलाइन निजता संरक्षण अधिनियम के कारण वह मेटा को 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए आयु सत्यापन उपकरण लागू करने या निजी जानकारी एकत्र करने का आदेश नहीं दे सकती। इसके अतिरिक्त, अदालत ने इसे केवल एक कंपनी पर थोपना अनुचित बताया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की तेजी के साथ ही 95.03 रुपये पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.28 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार आयातकों की डॉलर मांग और रुपये में आई मजबूती के बाद मुनाफावसूली के दबाव से रुपये पर प्रभाव पड़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.27 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.28 प्रति डॉलर तक फिसल गया।

यह पिछले बंद भाव की तुलना में छह पैसे फिसला। वहीं रुपया गुरुवार को 14 पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 99.95 पर पहुंच गया।

डिजिटल क्रांति में भी एलआईसी के एजेंटों का दबदबा कायम

नए व्यक्तिगत कारोबार में एजेंटों की हिस्सेदारी 93 फीसदी से अधिक

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के लिए उसके एजेंट आज भी कारोबार की सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। जहां अन्य कंपनियां डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोर दे रही हैं, वहीं एलआईसी के नए व्यक्तिगत कारोबार का 93 फीसदी से अधिक हिस्सा अब भी उसके 14.5 लाख एजेंटों के जरिए ही आ रहा है, जो तकनीक के दौर में भी मानवीय संपर्क की अहमियत दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एलआईसी के इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम में एजेंसी चैनल की हिस्सेदारी बढ़कर 93.1 फीसदी हो गई। एजेंटों के जरिए आने वाला नया प्रीमियम भी एक साल में 15 फीसदी बढ़ा है।

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार एले आईसी के पास करीब 14.5 लाख एजेंट हैं, जिनमें से 53 फीसदी पांच साल से अधिक समय से कंपनी के साथ हैं। एजेंटों की संख्या मामूली घटने के बावजूद, कंपनी अब उनकी ट्रेनिंग और काम की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दे रही है।

इसके विपरीत, बैंक एश्योरेंस से आने वाला इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम एक साल में 9

फीसदी घटा है, और डायरेक्ट चैनल से भी कारोबार में 13 फीसदी की गिरावट आई है। ब्रोकर चैनल में 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एलआईसी डिजिटल प्लेटफॉर्म आनंदा ऐप के जरिए पॉलिसियों की हिस्सेदारी बढ़ने पर भी काम कर रही है, जो अब 14.1 फीसदी हो गई है। कंपनी का मानना है कि डिजिटल उपकरण एजेंटों के काम को आसान बनाने और उन्हें सशक्त करने का माध्यम बनेंगे, न कि उन्हें प्रतिस्थापित करने का।

आरबीआई का नया फ्रेमवर्क- अब लोन वसूली होगी ज़्यादा पारदर्शी और जिम्मेदार

1 जनवरी 2027 से लागू होंगे नए नियम; बैंकों को विस्तृत पॉलिसी बनानी होगी

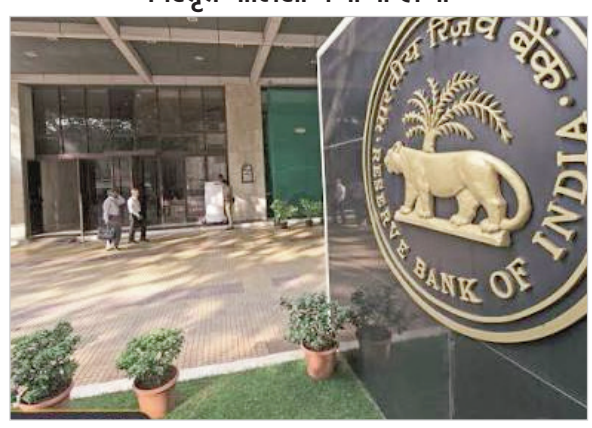

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कमर्शियल बैंकों द्वारा लोन रिकवरी को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने के लिए नया व्यापक फ्रेमवर्क जारी किया है।

1 जनवरी 2027 से लागू होने वाले ये नियम रिकवरी एजेंटों पर सख्ती, उधार लेने वालों की सुरक्षा के बेहतर उपाय और टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी सिस्टम पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करेंगे।

यह केवल कमर्शियल बैंकों पर लागू होगा। नए फ्रेमवर्क के तहत बैंकों को एक विस्तृत रिकवरी पॉलिसी बनानी होगी, जिसमें रिकवरी शुरू करने की शर्तें और नियमों के उल्लंघन पर मुआवजे जैसे बिंदु स्पष्ट हों। रिकवरी एजेंसियों की नियुक्ति से पहले जांच और एजेंटों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) या आरबीआई मान्यता प्राप्त संस्थानों से प्रमाणन अनिवार्य है। बैंकों को अपनी वेबसाइट पर रिकवरी एजेंसियों की अपडेटेड सूची प्रकाशित करनी होगी। कर्जदारों को एजेंट के पहली बार मिलने से एक दिन पहले सूचना देनी होगी।

एजेंटों के पास पहचान पत्र और ऑथराइज़ेशन लेटर ज़रूरी होगा; वे सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही संपर्क कर सकेंगे। गाली-गलौज, धमकी, अत्यधिक कॉल, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर जानकारी उजागर करना सख्त वर्जित है।

शोक या मेडिकल इमरजेंसी जैसे संवेदनशील मौकों पर संपर्क से बचना होगा।

टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी में बैंक उधार लेने वाले के मोबाइल फ़ोन को दूर से तभी बंद कर सकते हैं, जब लोन उसी डिवाइस के लिए हो और वह भी 30 या 60 दिनों की देरी के बाद। आवश्यक सेवाओं को ब्लॉक नहीं किया जा सकता। गलत तरीके से डिवाइस ब्लॉक करने पर बैंक को प्रति घंटे 250 रुपए का मुआवजा (अधिकतम लोन राशि तक) देना होगा। बैंकों को शिकायत निवारण प्रणाली भी बनानी होगी।

दमदार बिक्री के बावजूद हीरो मोटोकॉर्प का लाभ 16.86 फीसदी गिरा

पिछले साल के एकमुश्त लाभ के कारण शुद्ध मुनाफा प्रभावित

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंसॉलिडेटेड शुद्ध लाभ में 16.86 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। कंपनी का पीएटी घटकर 1,417.93 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,705.65 करोड़ रुपये था। कंपनी ने इस गिरावट की मुख्य वजह पिछले साल के ऊंचे आधार और 722 करोड़ रुपए के एकमुश्त लाभ को बताया है, जो सहयोगी कंपनियों में निवेश की हिस्सेदारी कम होने से मिला था। हालांकि, मुनाफे में कमी के बावजूद, हीरो मोटोकॉर्प ने ऑपरेशंस से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू में मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 13,126.35 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान अवधि में 9,727.75 करोड़ रुपये था, यानी लगभग 35फीसदी की बढ़ोतरी। इस तिमाही में कंपनी ने 16.77 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 23 फीसदी अधिक है।

कारोबार बढ़ने के साथ कंपनी के कुल खर्च में भी तेज वृद्धि हुई, जो 11,621.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हीरो मोटोकॉर्प के एक अे धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 27 की शुरुआत मजबूत रफ्तार के साथ हुई है, जिसमें प्रीमियम, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और कम्यूटर सेगमेंट के साथ-साथ वैश्विक कारोबार में भी व्यापक वृद्धि देखी गई। कंपनी के पार्ट्स, एक्सेसरीज और मर्चेंडाइजिंग कारोबार से राजस्व पहली तिमाही में 1,689 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 30 फीसदी अधिक है।

कच्चे तेल में तेजी, ब्रेंट 83 डॉलर के पार

होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान से जुड़ी अनिश्चितता से बढ़ी आपूर्ति चिंता

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मजबूत उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड अक्टूबर वायदा 1.22 फीसदी बढ़कर 83.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई सितंबर वायदा 1.01 फीसदी की बढ़त के साथ 78.07 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। इस तेजी की मुख्य वजह मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताएं हैं। बाजार की नजर विशेष रूप से रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और जहाजों की आवाजाही में संभावित बाधा की आशंका ने आपूर्ति प्रभावित होने का डर पैदा किया है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता भी कीमतों में जोखिम बढ़ा रही है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह स्पष्ट न होने से बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। लाल सागर और अदन की खाड़ी में सऊदी तेल टैंकरों पर हमलों की खबरों ने भी आपूर्ति संबंधी चिंताओं को बल दिया है, जिससे प्रमुख समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से ढुलाई लागत बढ़ने और देरी होने की आशंका है।

कच्चे तेल की आगे की चाल काफी हद तक मध्य पूर्व के घटनाक्रम पर निर्भर करेगी। यदि अमेरिका-ईरान वार्ता में ठोस प्रगति होती है या होर्मुज में सामान्य आवाजाही के संकेत मिलते हैं तो कीमतों पर दबाव आ सकता है। वहीं, तनाव बढ़ने या नई आपूर्ति बाधा की खबर आने पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में और तेजी आ सकती है। फिलहाल, आपूर्ति से जुड़ा जोखिम वैश्विक बाजार में कीमतों को लगातार सहारा दे रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संन्यास के बाद रहाणे की नई शुरुआत, यूरोपीय टी-20 लीग में बने मार्की प्लेयर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।रहाणे को यूरोप की पहली आईसीसी-सैंक्शन प्राप्त टी20 लीग यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए एम्सटर्डम फ्लेम्स का मार्की प्लेयर बनाया गया है। लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा, जिसमें छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी 33 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। रहाणे ने 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह नई भूमिका में यूरोपीय क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोप क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और वह इस क्षेत्र में खेल के विकास में योगदान देना चाहते हैं। एम्सटर्डम फ्लेम्स के सह-संस्थापक और मुख्य क्रिकेट अधिकारी तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने रहाणे का स्वागत करते हुए उनके कौशल, धैर्य, विनम्रता और नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रहाणे का अनुभव और व्यक्तित्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

'मुझे कोई पछतावा नहीं'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर रहाणे ने कहा कि उन्होंने करीब एक महीने तक इस फैसले पर विचार किया था। उन्होंने खुद से बार-बार सवाल किया कि क्या उन्हें किसी चीज का पछतावा है या कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसका जवाब हमेशा नहीं मिला।रहाणे ने कहा, 'मैं अपने फैसले से बहुत खुश हूं। मैंने अपने नियंत्रण में जो कुछ था, उससे भी ज्यादा किया और हर बार अपना 200 प्रतिशत दिया।' उन्होंने कहा कि करियर के अंत में यह महसूस होना कि उन्होंने अपना सब कुछ दे दिया, उनके लिए सबसे अच्छी भावना है।

कोच -मेंटर बनने में भी दिलचस्पी

रहाणे ने भविष्य में कोचिंग और मेंटरशिप की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरने के कारण वह खिलाड़ियों की मानसिकता को अच्छी तरह समझते हैं।उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता क्रिकेट खेलना और दुनिया भर की लीग में अपना अनुभव साझा करना है, लेकिन उन्हें लगता है कि वह आगे चलकर एक अच्छे कोच और मेंटर साबित हो सकते हैं। उनके मुताबिक खिलाड़ियों का प्रबंधन, कोचिंग और मेंटरशिप उनके अनुभव का स्वाभाविक विस्तार होगा।

संक्षिप्त समाचार

मोहम्मद अशफाक ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर बनाई फाइनल में जगह

यूजीन। भारत के मोहम्मद अशफाक ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 का नेशनल रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया। 19 साल के अशफाक ने हीट 5 में 45.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में हुई अंडर 20 फेडरेशन कप में बनाए अपने ही 46.05 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा।

सेमीफाइनल हीट 3 में, अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अशफाक के साथी खिलाड़ी पीयूष राज हीट 6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल राउंड में जगह बनाने से चूक गए। पुरुषों की हाई जंप में, बसंत ने 2.14 मीटर की जंप के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर रहे। के. अम्ब्रीश 2.05 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ क्वालिफिकेशन ग्रुप बी में 12वें स्थान पर रहे और क्वालिफाई नहीं कर पाए। गौरतलब है कि किसी भी ग्रुप का कोई भी एथलीट 2.21 मीटर का ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क पार नहीं कर पाया। महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में, अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने 15.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो की, जो फाइनल क्वालिफिकेशन कटऑफ से 21 सेंटीमीटर कम थी। इस तरह वह ग्रुप ए में 9वें और क्वालिफिकेशन राउंड में कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहीं। भारत की तनु चौधरी को महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स हीट में निराशा हाथ लगी। वह 1:00.03 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। पुरुषों की 400 मीटर हर्डल्स में, अमित कुमार हीट में 54.01 सेकंड के समय के साथ सबसे पीछे रहे। पुरुषों की ट्रिपल जंप क्वालिफिकेशन में, धनुष राज और पी. रॉयशन फाइनल में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने क्रमशः 14.71 मीटर और 15.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की। इस बीच, अमानत कंबोज ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में 53.24 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया।

सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर इस टीम से जुड़े; लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मर्सीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता। लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई।

संन्यास के बाद भी बरकरार सचिन का जलवा भारत के शीर्ष-पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट से संन्यास लिए एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सचिन तेंदुलकर की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। क्रोल इंडिया सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन 2025 रिपोर्ट के अनुसार, सचिन 125.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ भारत के शीर्ष पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में अपनी जगह बनाए हुए हैं। वह देश के इकलौते रिटायर्ड खिलाड़ी हैं, जो लगातार भारत के शीर्ष-10 सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल हैं।

ब्रांड्स की पहली पसंद बने हुए हैं सचिन

रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर की विश्वसनीय छवि, ईमानदारी और वर्षों से बनी प्रतिष्ठा उन्हें आज भी विभिन्न क्षेत्रों के बड़े ब्रांड्स के लिए आकर्षक चेहरा बनाए हुए है। यही वजह है कि रिटायरमेंट के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है और कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

क्रिकेट में बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 34,357 रन दर्ज हैं। टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। दिलचस्प बात यह है कि वनडे क्रिकेट में उनका पहला शतक 79वें मैच में आया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

कायम हैं कई बड़े कीर्तिमान

मास्टर ब्लास्टर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 15921 रन, 51 शतक और 2058 चौके लगाए। वह सिर्फ 300 पारियों में 15000 टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।वनडे क्रिकेट में सचिन का करियर 22 साल 91 दिन तक चला, जो इस प्रारूप के सबसे लंबे करियर में से एक है। वर्ष 1998 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,894 रन और नौ शतक लगाए, जो आज भी रिकॉर्ड है। इसके अलावा उनके नाम वनडे में सबसे ज्यादा 145 अर्धशतक, 2,016 चौके और सिर्फ 440 पारियों में सबसे तेज 18,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन की तरह ही सचिन तेंदुलकर का ब्रांड प्रभाव भी आज तक कायम है।

वार्म-अप मैच से पहले बड़ा झटका, शुभमन चोटिल

पहले दिन नहीं करेंगे फील्डिंग, राहुल संभाल रहे कप्तानी

कोलंबो। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है।

बीसीसीआई ने दिया अपडेट

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। सावधानी के तौर पर वह वार्म-अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।' बोर्ड ने यह भी बताया कि गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे।

कोलंबो में खेला जा रहा अभ्यास मैच

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हालांकि, अगर आज भारतीय टीम की बल्लेबाजी आती है तो गिल इसके लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

भारत के लिए यह चोट चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि कप्तान जल्द पूरी तरह फिट होकर सीरीज के पहले टेस्ट तक उपलब्ध हो जाएं। जसप्रीत बुमराह पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि साई सुदर्शन को अभी तक फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिला है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

चयनकर्ता नॉर्थ ने बताई जो रूट को टेस्ट कप्तान बनाने की वजह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने खुलासा किया है कि बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को नहीं, बल्कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को सौंपने का फैसला क्यों लिया गया। उनका कहना है कि चयन समिति हैरी ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहती थी।

हैरी ब्रूक पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं डालना चाहता था बोर्ड

35 वर्षीय जो रूट इससे पहले भी इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि 27 वर्षीय हैरी ब्रूक फिलहाल वनडे और टी20 टीम के कप्तान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चयनकर्ताओं का मानना था कि ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का बोझ डालना फिलहाल सही फैसला नहीं होगा। इसी वजह से अनुभवी जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई।

तीनों फॉर्मेट की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी चुनौती

मार्कस नॉर्थ ने गुरुवार को स्थानीय मीडिया से कहा कि हैरी ब्रूक तीनों प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अहम खिलाड़ी हैं और सीमित ओवरों की कप्तानी में लगातार परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक हमारे लिए तीनों प्रारूपों में शानदार खिलाड़ी रहे हैं। वह टीम का बेहद अहम हिस्सा हैं। उनकी कप्तानी हर सीरीज के साथ बेहतर होती जा रही है। इस गर्मी में हमारी टी20 टीम दुनिया की नंबर-1 टीम बनी, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।'नॉर्थ ने आगे कहा, 'अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह ब्रेंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम पर पूरा फोकस कर रहे हैं। ऐसे में तीनों प्रारूपों की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है।'

टेस्ट कप्तान बन सकते हैं हैरी ब्रूक

हालांकि, नॉर्थ ने साफ किया कि हैरी ब्रूक को भविष्य की टेस्ट कप्तानी की दौड़ से बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि हैरी का समय भी आएगा। लेकिन फिलहाल हमारे पास जो रूट जैसा अनुभवी खिलाड़ी है, जो इस भूमिका को बखूबी निभा सकता है। वहीं, हैरी ब्रूक और ब्रेंडन मैकुलम सीमित ओवरों की टीम पर अपना पूरा ध्यान दे सकेंगे।'

पहली बार बने थे टेस्ट कप्तान

जो रूट पहली बार 2017 में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने थे। उन्होंने रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और 28 मुकाबलों में जीत दिलाई। अप्रैल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। अब बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद एक बार फिर उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है।

प्रज्ञानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

आखिरी मुकाबला रहा ड्रॉ, फिर भी बने चैंपियन

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रैंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत ड्रॉ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रैंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 पॉइंट हासिल करके चैंपियनशिप को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 पॉइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लेवोन अरोनियन 19 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डोमिंग्वेज और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट 17 पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानंद को बिना किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रैंड चेस टूर पॉइंट मिले। इस नतीजे से प्रज्ञानानंद सिंकफील्ड कप से पहले ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में सबसे आगे हैं।

प्रज्ञानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए और 1.5 प्वाइंट के अंतर से उपविजेता रहे। जून में, प्रज्ञानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं।

सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से सात अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में दस बेहतरीन ग्रैंडमास्टर शामिल हुए। पांच दिनों के खेल में, खिलाड़ियों ने 9 रैपिड राउंड और 18 ब्लिट्ज राउंड खेले। इस दौरान कुल मिलाकर 135 गेम हुए, जिनमें सिंकफील्ड कप और जीसीटी ग्रैंड फाइनल से पहले महत्वपूर्ण टूर पॉइंट दांव पर थे।

इस टूर्नामेंट में दो तेज गति वाले फॉर्मेट शामिल रहे। नौ-राउंड का सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड टूर्नामेंट (जो 25 मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही 10-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है) और 18-राउंड का डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज टूर्नामेंट (जो पांच मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही दो-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है)। रैपिड में जीत पर दो पॉइंट और ड्रॉ पर एक पॉइंट मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर एक पॉइंट और ड्रॉ पर 0.5 पॉइंट मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसे में पांच की मौत

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के नॉर्दर्न टेरिटरी में स्टुअर्ट हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब 12 :50 बजे दो वाहनों की आमने–सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन आग की लपटों में घिर गए और पूरी तरह जल गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, एक यूटिलिटी वाहन गलत लेन में चला गया और सामने से आ रही वैन से टकरा गया। हादसे में यूटिलिटी चला रहे 23 वर्षीय युवक, उसके 36 वर्षीय पुरुष साथी और 32 व 23 वर्षीय दो महिला यात्रियों सहित वैन में सवार 69 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने मदद की कोशिश की, लेकिन आग और क्षति के कारण किसी भी व्यक्ति को बाहर नहीं निकाल सके। पुलिस के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे से पहले यूटिलिटी वाहन तेज रफ्तार में था और खतरनाक तरीके से ओवरटेक कर रहा था। डिटेक्टिव सीनियर सार्जेंट माइकल शूमाकर ने इसे बेहद दुखद घटना बताते हुए कहा कि इस हादसे ने कई परिवारों और पूरे समुदाय को गहरा सदमा पहुंचाया है। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य के केर्न्स शहर में चोरी की गई एक यूटिलिटी वाहन की टक्कर से एक 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

श्रीलंका में चक्रवात राहत के लिए भारत देगा 33.27 अरब

कोलंबो, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भारत और श्रीलंका के बीच आपसी रिश्तों को और मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को कोलंबो पहुंचे। उन्होंने एक दिवसीय यात्रा में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात कर हाल में आए चक्रवात दित्वाह से हुए नुकसान और उसके बाद राहत व पुनर्निर्माण के कामों पर भी बातचीत की। दोनों नेताओं ने 33.27 अरब रुपये के आसान कर्ज यानी लाइन ऑफ क्रेडिट के समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह राशि भारत के उस 42.78 खरब रुपये के पैकेज का हिस्सा है, जिसे चक्रवात के बाद श्रीलंका की मदद के लिए घोषित किया गया था। इस पैसे का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे के विकास और जरूरी सामान खरीदने में किया जाएगा। अपनी इस यात्रा के दौरान विक्रम मिसरी ने श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरथ और अपनी समकक्ष अरुणी राजापक्षा से भी मुलाकात की। इन बैठकों में क्षेत्रीय मुद्दों और दोनों देशों के संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा उनका प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से भी मिलने का कार्यक्रम है।

खसरे का कहर : बांग्लादेश में पांच और बच्चों की मौत, अब तक 854 मौतें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरा (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में पांच और बच्चों की मौत के बाद इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 854 हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बुधवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान पांच नई मौतों की जानकारी दी। इन सभी मौतों को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, खसरे से अब तक 96 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 758 मौतें संदिग्ध मानी गई हैं। पिछले 24 घंटों में खसरे के 959 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिसके बाद कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 1,32,905 हो गई। इसी अवधि में 124 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 16,655 तक पहुंच गई।

अमेरिकी आसमान में ट्रंप का हेलीकॉप्टर पैसेंजर विमान के बेहद करीब पहुंचा, जांच शुरू

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन के आसमान में मंगलवार को एक बड़ी सुरक्षा चूक की घटना सामने आई है। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहा मरीन वन हेलीकॉप्टर और एक पैसेंजर प्लेन आसमान में एक–दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। इस गंभीर मामले की जांच अब सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं क्योंकि यह बड़ा मामला है। व्हाइट हाउस और विमानन नियामक संस्था एफएए ने तुरंत बयान जारी कर स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति किसी भी समय किसी खतरे में नहीं थे। अधिकारियों ने कहा कि मरीन वन के पायलट दुनिया के सबसे बेहतरीन पायलटों में से एक हैं जो विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षा सुनिश्चित करना जानते हैं। इस घटना के बाद आसमान में सुरक्षा नियमों को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार यह घटना दोपहर करीब 2 :30 बजे की बताई जा रही है।

बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिब अल हसन के घर पेट्रोल-बम से हमला, पत्थरबाजी और आग लगाने की कोशिश से हड़कंप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के घर पर बुधवार शाम हमला हुआ। ये घटना बांग्लादेश के मगुरा जिले में स्थित उनके घर पर हुई, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थरबाजी की, खिड़कियां तोड़ दीं और घर में आग लगाने की कोशिश की। ये हमला उस समय हुआ जब कुछ घंटे पहले ही शाकिब ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया था। पुलिस के मुताबिक ये घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:45 बजे हुई। हमलावरों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। इसके बाद उन्होंने घर में आग लगाने की कोशिश की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दी गई : स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले के दौरान धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिन्हें पटाखों जैसी आवाज बताया गया। स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि घर पर पेट्रोल बम भी फेंके गए, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की ओर से जारी एक वीडियो में भी शाकिब के घर के बाहर पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दे रही हैं।

मगुरा सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल्ला अल मामुन ने द डेली स्टार से कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, खिड़कियां तोड़ीं और आग लगाने की कोशिश की। घटना के बाद पुलिस बल को शाकिब के घर के बाहर तैनात कर दिया गया। फिलहाल

हमलावरों की पहचान और हमले के कारण का पता नहीं चल पाया है।

मीडिया कार्यक्रम के बाद हुआ हमला : ये हमला उस मीडिया कार्यक्रम के कुछ घंटे बाद हुआ, जिसमें शेख हसीना ने नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से संबोधित किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया ने किया था। अपने संबोधन में शेख हसीना ने जुलाई-अगस्त 2024 के आंदोलन पर अपनी सरकार के रुख का बचाव किया और कहा कि छात्र आंदोलन अचानक नहीं था, बल्कि सत्ता परिवर्तन की एक सुनियोजित साजिश थी।

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से राजनीतिक तनाव लगातार बना हुआ है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी , जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी के नेताओं ने इस कार्यक्रम का विरोध किया था और मीडिया संस्थानों से हसीना का संबोधन प्रसारित न करने की अपील की थी।

क्या प्रेस कॉन्फ्रेंस है हमले की वजह : अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों का आरोप है कि शाकिब के घर पर हुआ हमला उनकी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूदगी से जुड़ा है। हालांकि बांग्लादेशी अधिकारियों ने अभी तक इस हमले और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं की है और पुलिस ने भी किसी आरोपी की पहचान नहीं की है। शाकिब अल हसन बांग्लादेश के सबसे महान ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं, लेकिन अवामी लीग से उनके राजनीतिक संबंधों की वजह से वो लंबे समय से विवादों में भी रहे हैं। वो 2024 के आम चुनाव में अवामी लीग के टिकट पर मगुरा-1 सीट से सांसद चुने गए थे। विपक्षी दलों ने उस चुनाव को निष्पक्ष नहीं माना था। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

क्या बोली शेख हसीना : अपने संबोधन में शेख हसीना ने अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की और कहा कि वो तमाम कानूनी चुनौतियों के बावजूद बांग्लादेश लौटेंगी। शाकिब ने अगस्त 2024 में सरकार बदलने के बाद से अब तक बांग्लादेश वापसी नहीं की है। राजनीतिक बदलाव के बाद उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें हत्या का मामला भी शामिल है। शाकिब का कहना है कि अगर उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा और निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा दिया जाए तो वो बांग्लादेश लौटकर कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल शाकिब अपने परिवार के साथ अमेरिका में रह रहे हैं और लगातार फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। वो कैरेबियन प्रीमियर लीग और लंका प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट में खेल चुके हैं। वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पहले भी कह चुका है कि राष्ट्रीय टीम के दरवाजे शाकिब के लिए अब भी खुले हैं।

हसीना की वर्चुअल मीटिंग में शामिल हुए थे शाकिब : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे।

सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलते रहे शाकिब : शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी।

अमेरिका में 3.5 लाख हैती प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा, अदालत ने टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक हटाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को लगभग 3.5 लाख हैती नागरिकों के लिए अस्थायी संरक्षित दर्जा (टेम्परारी प्रोटेक्टेड स्टेटस-टीपीएस) समाप्त करने की अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद इन प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा मंडराने लगा है, जबकि हैती इस समय गंभीर भूख, हिंसा और अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। टीपीएस एक ऐसी व्यवस्था है, जो उन देशों के नागरिकों को अमेरिका में अस्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देती है, जहां युद्ध, प्राकृतिक आपदा या अन्य गंभीर संकट की स्थिति हो। यह दर्जा लाभार्थियों को निर्वासन से भी सुरक्षा प्रदान करता है। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया की जिला अदालत की न्यायाधीश एना सी. रेयेस ने इससे पहले ट्रंप प्रशासन के उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त की जानी थी। बाद में एक संघीय अपीलीय अदालत ने भी इस रोक को बरकरार रखा था।

हालांकि, जून में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संघीय कानून के तहत टीपीएस से जुड़े निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते। इस फैसले का असर हैती, सीरिया और अन्य उन देशों के नागरिकों पर पड़ सकता है, जिन्हें अमेरिकी विदेश विभाग उच्च जोखिम वाले देश मानता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद न्यायाधीश रेयेस ने बुधवार को अपना पूर्व आदेश वापस लेते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के निर्णय के कारण उनकी 2 फरवरी 2026 की रोक अब प्रभावी नहीं रह गई है। इसके साथ ही हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक भी खत्म हो गई। सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्रवासी अधिकार संगठन एफडब्ल्यूडी.यूएस ने बताया कि टीपीएस लाभार्थियों में लगभग दो लाख हैती नागरिक अमेरिका में रोजगार कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सेवा, वेयरहाउसिंग, खुदरा व्यापार और दीर्घकालिक देखभाल जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने हैती को अपने यात्रा परामर्श तंत्र में लेवल-4 श्रेणी में रखा है, जो सबसे उच्च जोखिम स्तर है। विभाग ने वहां अपराध, अपहरण, आतंकवादी गतिविधियों, सामाजिक अशांति और सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की हुई है। इस फैसले ने अमेरिका में रह रहे हजारों हैती नागरिकों के भविष्य को लेकर नई अनिश्चितता खड़ी कर दी है, क्योंकि अब उन्हें निर्वासन और कानूनी स्थिति से जुड़े जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

थाईलैंड में 9वीं के छात्र ने स्कूल में फायरिंग की , पहले घर पर दादा–दादी की हत्या की, फिर स्कूल में 6 को मारा

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के पास एक 9वीं कक्षा के छात्र ने अपने दादा–दादी की हत्या कर दी। इसके बाद वह स्कूल पहुंचा और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में 3 टीचर और 3 छात्रों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना नोंथाबुरी प्रांत के डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। जांच में पता चला कि स्कूल जाने से पहले छात्र ने अपने घर में दादा–दादी की हत्या की थी। बाद में दोनों के शव घर से बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि फायरिंग में इस्तेमाल की गई 9 एमएम पिस्टल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। हमले के बाद आरोपी छात्र भी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि छात्र ने यह वारदात क्यों की, इसकी जांच की जा रही है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के इलाज और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद देने के निर्देश दिए हैं।

गोलियां चलते ही क्लासरूम में छिप गए छात्र

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही गोलियों की आवाज आई, छात्र अपनी जान बचाने के लिए क्लासरूम में छिप गए। कुछ देर बाद पुलिस ने दरवाजा खटखटाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद स्कूल में अफरा–तफरी मच गई और बाहर मौजूद लोग एक–दूसरे को संभालते नजर आए। थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद थाई सरकार ने हथियारों की उपलब्धता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की निगरानी बढ़ाने की बात कही थी। इसके बावजूद समय–समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

कांगो में इबोला का कहर: 1850 मौतें, बच्चों पर सबसे गंभीर असर

किंशासा (एजेंसी)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफकांगो (डीआरसी) इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप से जूझ रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अब तक 4053 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसमें से 1850 लोगों की जान जा चुकी है। वर्तमान में 694 मरीज इलाजरत हैं, जबकि 793 लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। हालांकि, पूर्वी डीआरसी में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बनी हुई हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यूनिसेफने चिंता जाहिर कर इस प्रकोप में अब तक 330 बच्चों की मौत हो चुकी है। संगठन के मुताबिक, कुल पुष्ट मामलों में बच्चों का हिस्सा करीब एक चौथाई है, लेकिन कुल मौतों में उनकी हिस्सेदारी करीब एक तिहाई

है। विशेष रूप से, 5 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों में मृत्यु दर वयस्कों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

यूनिसेफने बताया कि इबोला के डर और स्वास्थ्य केंद्रों में बाधाओं के चलते परिवार अस्पताल जाने से कतरा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बचपन के टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं में भारी गिरावट आई है। यूनिसेफके डीआरसी प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने जोर देकर कहा कि यह प्रकोप पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर रहा है, जिसका सीधा असर मलेरिया, डायरिया जैसी इलाज योग्य बीमारियों से बच्चों की मौतों पर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा संगठन मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स) ने चेतावनी दी है कि पूर्वी डीआरसी में इबोला की स्थिति पहले से कहीं अधिक विकट है। संगठन के अनुसार, संक्रमण अभूतपूर्व गति से फैल रहा है और धीमा होने के कोई संकेत नहीं हैं। अस्पतालों में बिस्तरों की कमी, चिकित्सा कर्मचारियों पर अत्यधिक दबाव और समुदायों में व्याप्त डर के कारण मरीज समय पर इलाज नहीं ले पा रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है।

यमन के दक्षिणी तट के पास अदन की खाड़ी में जहाज के नजदीक जोरदार विस्फोट, समुद्री तनाव के बीच बढ़ी चिंता

अदन , एजेंसी। अदन की खाड़ी में यमन के दक्षिणी तट के पासएक टैंकर ने अपने नजदीक तेज धमाके की आवाज सुनने की सूचना दी है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब हूती विद्रोहियों द्वारा जहाजों को निशाना बनाने के नए अभियान के बाद क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर तनाव बढ़ गया है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बुधवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह घटना अदन से लगभग 95 नॉटिकल मील दक्षिण-पूर्व में हुई। इसमें कहा गया, 'एक टैंकर के मास्टर ने बताया कि उन्होंने जहाज के पास एक जोरदार धमाका सुना और बताया कि सभी क्रू सुरक्षित हैं।' यमन के सेंट्रल अल-बायदा प्रांत में हूती-नियंत्रित इलाके मुकायरस के लोगों ने न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि हूती ने इलाके से अदन की

खाड़ी की ओर एक मिसाइल लॉन्च की है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाएं जुड़ी हुई थीं या नहीं। वहीं, हूती ने भी अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना हूती और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है। इससे पहले सोमवार को (स्थानीय समय) एक कार्गो जहाज ने बताया था कि ओमान के तट पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से उस पर हमला हुआ है। यूकेएमटीओ की एक एडवाइजरी के मुताबिक, यह घटना सोमवार को पहले ओमान के अल खसब से लगभग 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंट्रेंस के पास हुई। इसके अलावा यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में विस्फोटकों से भरी एक नाव के हमले के बाद भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज डूब गया। सिन्हुआ एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी बलों ने जहाज के 14 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया। इनमें 13 भारतीय नाविक और एक यमन का नागरिक शामिल है। हालांकि, हमला कब हुआ इसकी जानकारी नहीं दी गई। सरकार समर्थित नेशनल रेजिस्टेंस फोर्सेज (एनआरएफ) ने एक बयान में कहा कि तटरक्षक बल और नौसेना की इकाइयों ने संयुक्त अभियान चलाकर 'फैजे नूरे ओलिया' नामक जहाज के चालक दल को बचाया। यह जहाज हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेइदाह से लगभग 13 समुद्री मील दक्षिण में हमले का शिकार हुआ था। जहाज पर मौजूद सभी 14 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उन्हें चिकित्सकीय सहायता भी दी गई और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एनआरएफ ने इस हमले के लिए यमन के हूती समूह को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन अभी तक हूतियों की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बागी तेवर:सरकार की पकड़ कमजोर

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45% हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70% हिस्से पर कब्जा है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं? बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके बेखौफ होकर क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसते हैं। पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों पर हमले करते हैं। कई जगह बीएलए के लड़ाके और पश्तून गुट सड़कों पर अपने नाके लगा लेते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी लेते हैं और खुलेआम वसूली करते हैं। यही पैसा क्क के फंड में जाता है। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है। चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं। ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है। खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का फ्रंटियर यानी सरहदी इलाका है। डूरंड लाइन पाक और अफगानिस्तान को अलग करती है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पांच साल में खैबर के अधिकांश इलाके में इन्हीं का दबदबा है। खैबर में पाक सरकार के कानून नहीं तालिबान का शरिया चलता है। दरअसल, इस इलाके में विभाजन के समय से ही कबिलाई व्यवस्था लागू रही है। स्वात, सैदू, मिंगोरा और मर्दन में 'लोया जिरगा' के जरिए ही कानून चलता है।

ये जिरगा असल में शरिया कानून को लागू करती है। अफगान तालिबान इसका संरक्षक है। अफगान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) संगठन को अपने ठिकानों में पनाह देता है। इमरान खान की सरकार ने 2021 में ञ्ञक्क के साथ सुलह की कोशिश की, लेकिन इमरान की गद्दी जाते ही टीटीपी ने खैबर में अपने दबदबे को और बढ़ा लिया है। खैबर के वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना कई सैन्य ऑपरेशन कर चुकी है, लेकिन यहां अब टीटीपी काबिज है। आए दिन टीटीपी के हमलों के कारण स्कूल और कॉलेज बंद रहते हैं। पंजाब और सिंध के मूल निवासी कर्मचारी खैबर में अपनी पोस्टिंग नहीं चाहते हैं। खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के आए दिन होने वाले हमलों से पाक सेना में खौफ है। इस साल टीटीपी फौज पर 145 से ज्यादा हमले कर चुकी है, इनमें 48 सैनिक मारे गए। खैबर में डूरंड लाइन पर अभी पाक सेना की 50 फौजी चौकियां खाली हैं। 22 पोस्ट पर ही पाक फौज तैनात है।

ईरान पर दबाव बढ़ रहा, यह क्रांति के बाद का सबसे मुश्किल समय: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन

तेहरान , एजेंसी। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज स्ट्रेट से एक सुरक्षित कमर्शियल शिपिंग रूट बनाने पर बातचीत लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने देश के लिए वर्तमान समय को काफी मुश्किल भरा बताया और कहा कि प्रतिबंधों और सैन्य टकराव का दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि ईरानी शासन बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से दोनों देशों के बीच डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन का कहना है कि ईरान पर पाबंदियों और लड़ाई का दबाव बढ़ता जा रहा है और उन्होंने मौजूदा समय को 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे मुश्किल समय बताया।

अपने शपथ ग्रहण की दूसरी सालगिरह पर बुधवार को सरकारी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में पेजेशकियन ने कहा कि पाबंदियां लगातार बढ़ रही हैं और उसके बाद सैन्य टकराव हुआ है। पेजेशकियन ने आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) को बताया, 'अभी हम जिन हालात का सामना कर रहे हैं, वे क्रांति के बाद के इतिहास के सबसे मुश्किल हालात हैं। पाबंदियां थीं और वे बढ़ती गईं। फिर, उन्होंने हमारे बैंकों और हमारे फाइनेंशियल ऑपरेशन्स पर पाबंदी लगा दी। इससे खुश नहीं होने पर उन्होंने जंग छेड़ दी। ईरान के राष्ट्रपति ने टीवी पर दिए इंटरव्यू में कहा कि बाहरी दबाव का मकसद सरकार के लिए लोगों का समर्थन कमजोर करना है।उन्होंने दावा किया, 'अब वे जो भी योजना बना रहे हैं और जो भी दबाव डाल रहे हैं, वह लोगों को नाराज करने और जैसा कि वे कहते हैं, उन्हें विरोध करने के लिए उकसाने के लिए है।

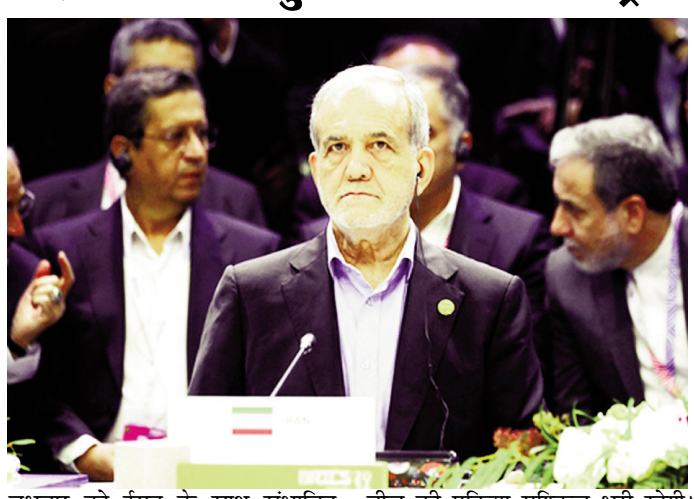

पेजेशकियन ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय एकता ने ईरान को दबाव झेलने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'अगर हम आज तक बचे हैं तो इसका श्रेय ईरान के अच्छे लोगों को जाता है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने

बुधवार को ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बातचीत आसान नहीं होगी और इसमें काफी समय लग सकता है। वेंस के मुताबिक ईरानी बेहद जटिल लोग हैं और वहां का शासन तंत्र बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। बुधवार शाम को फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'हमारा काम इससे निपटना है और अमेरिकी लोगों के लिए, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए भी सबसे अच्छा नतीजा पाना है। तेल की कीमतें नीचे आएंगी और नीचे ही रहेंगी। ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा और अमेरिका एक मजबूत स्थिति में होगा। इसके अलावा ईरानी प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने यह भी बताया कि इस हफ्ते के अंत में तेहरान के किसी भी वरिष्ठ अधिकारियों के पाकिस्तान या कतर जाने की कोई योजना नहीं है।

ईरानी विदेश मंत्रालय की प्रेस रिलीज के अनुसार,ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित रूट के भौगोलिक समन्वय पर सहमति बन गई है और वे एक संयुक्त बयान को फाइनल कर रहे हैं जिसमें तय किए गए खास पॉइंट्स बताए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दोनों देश पिछले दो महीनों से प्रस्तावित रास्ते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें ईरानी अधिकारी तकनीकी, कानूनी, सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं।

बाघेई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमले और उसके कारण इलाके की सुरक्षा पर पड़ने वाले असर के कारण स्ट्रेट को बंद कर दिया गया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्रेटर नोएडा में सोसायटी की 20वीं मंजिल पर आग, बड़ा हादसा टला

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मिग्सन अल्टीमो सोसायटी में 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, निवासियों और सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, सन टावर-3 की 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगी थी। आग लगते ही हड़कंप मचा, पर रेजिडेंट्स और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत से आग बुझा दी। फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंचने से पहले ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया था। यह सोसायटी में आग लगने की पहली घटना नहीं है। निवासियों का आरोप है कि फायर फाइटिंग सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है, जिससे हमेशा खतरा बना रहता है। निवासियों ने बिल्डर और प्रबंधन के प्रति भारी नाराजगी व्यक्त कर तत्काल फायर सेफ्टी सिस्टम की जांच, मरम्मत और नियमित सुरक्षा ऑडिट की मांग की है।

हैवान बना पिता, 16 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म ; गिरफ्तार

जोनपुर (एजेंसी)। रिश्तों की मर्यादा को तार-तार करने वाला एक हृदय विदारक मामला उत्तर प्रदेश के जमालपुर से सामने आया है। यहां एक कलयुगी पिता ने अपनी ही 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफपोक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए बयानों के अनुसार यह शर्मनाक घटना बीते 5 अगस्त को घटित हुई। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी अरविंद शर्मा, जो कि पीड़िता का सगा पिता है, तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर उस दिन काम पर नहीं गया और घर पर ही रुक गया। शाम को जब मां काम से लौटी तो 16 वर्षीय बेटी ने रोते हुए उसे अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि जब वह घर में अकेली थी और अपने काम निपटाकर कमरे में आराम कर रही थी, तभी उसके पिता अरविंद शर्मा ने जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने बेटी को किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। मां की शिकायत पर जमालपुर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा के खिलाफभारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और पोक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को बम धमकी वाला ई-मेल, मेट्रो, स्कूल और शेयर बाजार को उड़ाने की चेतावनी, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े के आधिकारिक ई-मेल पते पर बम विस्फोट की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। ई-मेल में मुंबई महापौर कार्यालय, मुंबई मेट्रो, स्कूलों और शेयर बाजार को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। दावा किया गया है कि 15 अगस्त से पहले मुंबई में विस्फोट किए जाएंगे। इसके बाद मुंबई पुलिस और साइबर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, धमकी भरे ई-मेल में अलगाववादी नारे लिखे गए हैं और कुछ व्यक्तियों के नामों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही लोगों को बच्चों को स्कूल न भेजने और मेट्रो से यात्रा नहीं करने जैसी चेतावनियां भी दी गई हैं। फिलहाल पुलिस इन दावों की सत्यता की जांच कर रही है और नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। बताया जा रहा है कि महापौर ऋतु तावड़े को इससे पहले भी दो बार धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। इस बार मिले ई-मेल के बाद साइबर पुलिस ई-मेल के आईपी एड्रेस, स्रोत और प्रेषक की पहचान करने में जुटी है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आवश्यक सुरक्षा उपाय भी बढ़ा दिए गए हैं।

केजरीवाल का दावा : पीएम मोदी जनता से खुद को बचाने के लिए बना रहे कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाकर दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से खुद को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से लड़ रहे हैं और पेपर लीक, ई-20 फ्यूल जैसे मुद्दों पर उनके पुराने समर्थक भी उनके खिलाफ हो रहे हैं।

केजरीवाल का ये बयान तब हैं जब मेटा (मेटा) से जुड़े बड़े विवाद के बीच सूत्रों ने बताया कि कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए हटाने पर भारत सरकार से माफी मांगी है। जुकरबर्ग ने कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मटीरियल, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों के लिए खेद जताया है। सूत्रों के अनुसार, मेटा ने स्वीकार किया कि गैर-कानूनी कंटेंट, जिसमें बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री शामिल थी, को खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन के माध्यम से बढ़ावा दिया था। केंद्र सरकार ने मेटा को स्पष्ट किया है कि वे इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) की परिभाषा के दायरे में नहीं आते क्योंकि वे खुद कंटेंट का चुनाव करते हैं, इसलिए आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर का नियम उन पर लागू नहीं होता। घटनाक्रम के बीच, मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कपलान की अगुवाई में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सेक्रेटरी एस. कृष्णन से मुलाकात की। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो गलती से हटाने की जानकारी दी गई। इससे पहले, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने फेसबुक से प्रधानमंत्री का वीडियो हटाए जाने पर जुकरबर्ग से बिना शर्त माफी की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि भारत में प्लेटफॉर्म को मिलने वाली कानूनी छूट समाप्त की जा सकती है।

अनुच्छेद 370 की बरसी पर अनंतनाग रैली के नारों पर विवाद

-विपक्ष के विरोध के बाद भाजपा ने दी सफाई

अनंतनाग (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं बरसी पर अनंतनाग में निकाली गई एक रैली के दौरान लगाए गए कथित आपत्तिजनक नारों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर रैली के वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने इसे कश्मीरी महिलाओं का अपमान बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। बढ़ते विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर भाजपा ने इन नारों से खुद को अलग करते हुए स्पष्ट किया कि यह पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है।

5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन करते हुए इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया था। इसकी सातवीं बरसी पर भाजपा ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि विपक्षी दलों ने इस दिन को विरोध दिवस के रूप में मनाया। अनंतनाग में भाजपा की ओर से निकाली गई रैली के दौरान कुछ नारों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष का आरोप है कि रैली में कश्मीरी भाषा के ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें स्थानीय समाज में महिलाओं के सम्मान और गरिमा से जोड़कर देखा जाता है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि इन शब्दों का प्रयोग जिस संदर्भ में किया गया, वह महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उनका आरोप है कि इस तरह के नारे कश्मीर की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं के विपरीत हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े सम्मानजनक संबोधनों का राजनीतिक नारों में इस प्रकार इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है। विपक्ष ने इसे पूरे समाज के सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद बढ़ने के बाद जम्मू-कश्मीर भाजपा ने बयान जारी कर कहा कि पार्टी महिलाओं के सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन नहीं करती। पार्टी के अनुसार यदि रैली के दौरान कुछ व्यक्तियों ने अपनी व्यक्तिगत सोच के आधार पर कोई नारा लगाया है, तो उसे भाजपा की आधिकारिक नीति या विचारधारा नहीं माना जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि विवादित नारे संगठन या रैली का नेतृत्व कर रहे नेताओं के आधिकारिक विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद यह मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। विपक्ष भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा का कहना है कि पार्टी का महिलाओं के सम्मान पर रुख स्पष्ट है और किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत टिप्पणी को संगठन की आधिकारिक राय नहीं माना जा सकता।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सहित पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने फिर करवट बदली है। बीती देर रात से दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित विभिन्न इलाकों में लगातार हो रही झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार, 7 अगस्त के लिए तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें सुबह और पूर्वाह्न के दौरान मध्यम से भारी वर्षा की चेतावनी है। इस झमाझम बारिश ने जहां लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत दी है, वहीं कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव और टूटी सड़कों पर बने गहरे गड्ढों ने यातायात को बुरी तरह बाधित किया है। लगातार दो दिनों की बारिश से अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। हालांकि, सुबह दफ्तर जाने वाले लोगों और स्कूल वाहनों को सड़कों पर लंबी कतारों के कारण खासी परेशानी झेलनी पड़ी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 7 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, साथ ही दिनभर बादल छाए रहने वाले हैं और भारी बारिश जारी रह सकती है। अगले कुछ दिनों तक, यानी 8 से 12 अगस्त तक, दिल्ली-एनसीआर में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री और न्यूनतम 24-25 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। बारिश के कारण राजधानी और एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे वाहन चालकों को दिक्कतें आ रही हैं।

बारिश के बीच विपक्ष ने संसद परिसर में किया जोरदार प्रदर्शन

-जंतर-मंतर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर मकर द्वार पर नारेबाजी, छात्रों की मांगों पर कार्रवाई की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 15वें दिन शुक्रवार को भी संसद परिसर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्र होकर जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। तेज बारिश के बावजूद सांसद छाते लेकर धरना देने पहुंचे और सरकार विरोधी नारे लगाए।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की लोकतांत्रिक मांगों को संवाद के बजाय बल प्रयोग से दबाने का प्रयास किया गया है। उनका कहना था कि सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनके साथ बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए। विपक्ष ने जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को भी प्रमुखता से उठाया और इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच की मांग करते हुए सरकार को घेरने का प्रयास किया। सांसदों का कहना था कि दोनों ही मुद्दे जनहित से जुड़े हैं और सरकार को इन पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। तेज बारिश के बावजूद प्रदर्शन में शामिल सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे।

सीजेपी ने बनाई राष्ट्रीय कार्यसमिति, अभिजीत दीपके बने राष्ट्रीय संयोजक

12 लोगों की मेन टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठनात्मक विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) ने गुरुवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन कर दिया। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके को राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है, जबकि मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और प्रवक्ता आशुतोष रांका को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संगठन ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उसे राजनीतिक दल में परिवर्तित नहीं किया जाएगा और उसका फोकस जमीनी स्तर पर जनसंगठन तैयार करने पर रहेगा।

सीजेपी की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यसमिति ने संगठन के विस्तार की रूपरेखा को मंजूरी दे दी है। अगले छह महीनों में सभी राज्यों में समन्वय समितियों के गठन के साथ-साथ लोकसभा और शहर स्तर पर भी संगठनात्मक इकाइयां बनाई जाएंगी। संगठन ने कहा कि घोषित सूची के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फिलहाल पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है। नई कार्यकारिणी में अजिंक्य शिंदे को राष्ट्रीय संगठन प्रभारी और दीपक बालियान को सह-संगठन प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव, विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को कानूनी मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौड़ को शोध एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख तथा योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है। संगठन ने उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पूर्वोत्तर तथा पश्चिम क्षेत्र के लिए भी अलग-अलग नेतृत्व की जिम्मेदारियां तय की हैं।

सौरव दास ने बताया कि सदस्यता अभियान संगठन की वेबसाइट के माध्यम से शुरू किया जाएगा। उन्होंने छात्रों, युवाओं, पेशेवरों और श्रमिकों से संगठन से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि सीजेपी फिलहाल किसी प्रकार का चंदा या फंड एकत्र नहीं कर रही है। उन्होंने लोगों से किसी भी भ्रामक दावे से सावधान रहने की भी अपील की। दास ने कहा कि कई लोग चाहते हैं कि सीजेपी राजनीतिक दल बने, लेकिन मौजूदा समय में संगठन का उद्देश्य चुनावी राजनीति में उतरना नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जनजागरूकता बढ़ाना और जमीनी स्तर पर काम करना है। उनका कहना था कि संगठन पहले अपने नेटवर्क और जनसंपर्क को मजबूत करेगा। इस दौरान आशुतोष रांका ने बताया कि सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात करेगा। इसके बाद संगठन के शीर्ष पदाधिकारी भी राज्य का दौरा करेंगे। संगठन ने कहा कि शिक्षा और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता उसके प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगी।

ऊना दलित अत्याचार : मायावती ने की गुजरात सरकार से हाईकोर्ट में सख्त पैरवी की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के ऊना में वर्ष 2016 के चर्चित दलित अत्याचार मामले में लोकल अदालत द्वारा अधिकांश आरोपियों को बरी करने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है और पीड़ित दलित परिवारों को हाईकोर्ट में न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए भारी आर्थिक और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बसपा सुप्रीमों मायावती ने गुजरात सरकार से तत्काल मामले में हस्तक्षेप करने और उच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। बसपा मुखिया ने याद दिलाया कि इस घटना के बाद वह खुद पीड़ितों से मिलने ऊना गई थीं और तभी राज्य सरकार से सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि देश भर में रोष के बावजूद 40 में से 35 आरोपियों का बरी होना दलितों के प्रति सरकारी उदासीनता और उनके हितों की उपेक्षा का परिणाम लगता है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार के पास अभी भी मौका है कि वह अपनी गलती सुधारते हुए उच्च न्यायालय में उचित पैरवी सुनिश्चित करे। मायावती ने सुझाव दिया कि गुजरात सरकार को पीड़ित परिवारों की संतुष्टि के अनुसार, सरकारी खर्च पर वकील मुहैया कराने चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बसपा की यूपी सरकार ने गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया था। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम न केवल पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाएगा बल्कि दूसरों के लिए भी एक सबक बनेगा।

केपी ग्राउंड में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सशर्त मंजूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 8 अगस्त को प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर चल रहा विवाद फिलहाल थम गया है। कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट ने केपी ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित करने की सशर्त अनुमति दे दी है। ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष जितेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं से परामर्श के बाद आयोजकों को कुछ शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी गई है।

ट्रस्ट की ओर से रखी गई शर्तों में कॉलेज में अध्ययन-अध्यापन कार्य प्रभावित नहीं होना और जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति लेना शामिल है। इससे पहले ट्रस्ट ने मैदान के इस्तेमाल को लेकर आपत्ति जताई थी। ट्रस्ट का कहना था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार केपी कॉलेज के मैदान का उपयोग खेलकूद और शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा अन्य कार्यों के लिए नहीं किया जा सकता। साथ ही बारिश के कारण मैदान में पानी भरे होने से आयोजन को लेकर जोखिम की बात भी कही गई थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश सरकार राहुल गांधी के कार्यक्रम को रद्द कराने का प्रयास कर रही है। पार्टी ने कहा था कि वह तय स्थान केपी ग्राउंड में ही छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जिला प्रशासन से कार्यक्रम की अनुमति को लेकर बातचीत हुई है और सहयोग का आश्वासन मिला है।

अजय राय ने राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे का कार्यक्रम भी जारी किया। इसके अनुसार राहुल गांधी 8 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे विशेष विमान से दिल्ली से प्रयागराज पहुंचेंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से आनंद भवन जाएंगे। शाम 6 बजे से रात साढ़े 8 बजे तक केपी ग्राउंड में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के बाद वह प्रयागराज हवाई अड्डे से रात साढ़े 9 बजे विशेष विमान से दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि यह एक निजी संस्था और कांग्रेस के बीच अनुमति का मामला है। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस के पास सरकार के दबाव का कोई प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करना चाहिए। कार्यक्रम की अनुमति को लेकर जिला प्रशासन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका। अब सशर्त अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है।

कैप्टन अमरिंदर कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, वह मेरे फेवरेट लीडर

-राहुल गांधी के तारीफ करने के बाद कैप्टन की कांग्रेस में वापसी की अटकलें तेज

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के चुनाव से पहले कांग्रेस में चल रहे घमासान के बीच राहुल गांधी ने पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह को फेवरेट लीडर बताकर उनकी तारीफ की है। गुरुवार को दिल्ली में जेन-जी के साथ राहुल गांधी ने इंट्रैक्शन किया। इस दौरान एक युवा ने राहुल गांधी से पूछा कि बीजेपी में आपका फेवरेट लीडर कौन है, तो राहुल गांधी ने कहा- कैप्टन अमरिंदर सिंह, डेफिनेटली। मैं उनके साथ आसानी से घुल-मिल जाता हूं। वह कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, इसलिए मैं उन्हें पसंद करता हूं। हैलो अंकल अमरिंदर.

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर भी यह वीडियो पोस्ट किया है, जिसके बाद से लोग कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी की अटकलें लगाने लगे हैं। इससे पहले कैप्टन खुद कह चुके हैं कि वह कांग्रेस को मिस करते हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस एक फैमिली की तरह है। मैं जब भी फोन करता था, वह मिल लेते थे। लेकिन बीजेपी में ये सिस्टम नहीं है। कैप्टन ने यहां तक कहा था कि राहुल गांधी ने उनके चचेरे भाई के निधन पर शोक संदेश भेजा लेकिन बीजेपी में किसी ने पूछा तक नहीं। राहुल गांधी की कैप्टन की तारीफ वाला वीडियो जैसे ही सामने आया तो पंजाब कांग्रेस में खलबली मच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटकलें लगाई जा रही हैं कि कहीं पंजाब में गुटबाजी को खत्म करने के लिए राहुल गांधी बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी करवा सकते हैं। कैप्टन की अगुआई में कांग्रेस दो बार यहां सरकार बना चुकी है। वहीं गुरुवार को प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने लुधियाना में कहा था कि एक सप्ताह में सब कुछ ठीक हो जाएगा, नहीं तो राहुल गांधी कोई बड़ा फैसला लेंगे। इसी बीच चन्नी गुट के विधायक राणा गुरजीत ने कहा कि अगर कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस में आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। कैप्टन अमरिंदर के गांधी परिवार के अच्छे संबंध हैं। वहीं परगट सिंह ने भी कहा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह दो बार पंजाब के सीएम रह चुके हैं। उनके पास अनुभव है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 97 हुई, 1.68 लाख लोग प्रभावित

-कई राज्यों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी है वहां दो और लोगों की मौत के साथ इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 तक पहुंच गई है। वहीं प्रभावित लोगों की संख्या भी बढ़कर 1.68 लाख से ज्यादा हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले 24 घंटे में गोलाघाट और उदलगुड़ी जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में गोलाघाट, शिवसागर, उदलगुड़ी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, नगांव, कामरूप, दरांग, सोनितपुर, होजाई, लखीमपुर, बिश्वनाथ, जोरहाट, चराइदेव, कार्बी आंगलोंग और धेमाजी जिलों में 1.68 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां करीब 54,000 लोग बाढ़ की चपेट में आए। इसके बाद शिवसागर में 49,000 से ज्यादा और जोरहाट में करीब 27,000 लोग प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में छह जिलों में 133 राहत शिविर और राहत सामग्री वितरण केंद्र चलाए जा रहे हैं, जहां करीब 45,000 विस्थापित लोगों को आश्रय और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में कुल 481 गांव अब भी बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण पूरे राज्य में 14,382.26 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। बुलेटिन के मुताबिक धनसिरी नदी नुमालीगढ़ में अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बाढ़ के पानी से कई जिलों में तटबंधों, सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 6 से 12 अगस्त के बीच अरुणाचल प्रदेश में और 8 से 11 अगस्त के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। 6-7 अगस्त और 12 अगस्त को असम और मेघालय में और 6-12 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश की संभावना है। मौसम एजेंसी ने कहा कि कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने शिवसागर और चराइदेव जैसे बाढ़ प्रभावित ज़िलों में 10 अगस्त से पढ़ाई फिर से शुरू करने की योजना का ऐलान किया है। साथ ही सरकार उन छात्रों के लिए वैकल्पिक इंतजाम भी कर रही है जिनके स्कूल हाल की बाढ़ के कारण पहुंच से बाहर हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने कहा था कि यह फैसला पढ़ाई में रुकावट को कम करने और यह पक्का करने के लिए लिया गया है कि छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख सकें, भले ही बाढ़ से प्रभावित कई शिक्षण संस्थानों में मरम्मत का काम चल रहा हो, जो स्कूल अभी छात्रों को बैठाने लायक नहीं हैं, वे हालात सुधरने तक बंद रहेंगे। हालांकि, इन संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए अस्थायी सुविधाएं दी जाएंगी।